Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

J—3106

PAPER—III

LINGUISTICS

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

LINGUISTICS

भाषा विज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Why study language ? There are many possible answers, and by focusing on some I do not, of course, mean to disparage others or question their legitimacy. One may, for example, simply be fascinated by the elements of language in themselves and want to discover their order and arrangement, their origin in history or in the individual, or the ways in which they are used in thought, in science or in art, or in normal social interchange. One reason for studying language - and for me personally the most compelling reason - is that it is tempting to regard language, in the traditional phrase, as "a mirror of mind". I do not mean by this simply that the concepts expressed and distinctions developed in normal language use give us insight into the patterns of thought and the world of "common sense" constructed by the human mind. More intriguing, to me at least, is the possibility that by studying language we may discover abstract principles that govern its structure and use, principles that are universal by biological necessity and not mere historical accident, that derive from mental characteristics of the species. A human language is a system of remarkable complexity. To come to know a human language would be an extraordinary intellectual achievement for a creature not specifically designed to accomplish this task. A normal child acquires this knowledge on relatively slight exposure and without specific training. He can then quite effortlessly make use of an intricate structure of specific rules and guiding principles to convey his thoughts and feelings to others, arousing in them novel ideas and subtle perceptions and judgements. For the conscious mind, not specifically designed for the purpose, it remains a distant goal to reconstruct and comprehend what the child has done intuitively and with minimal effort. Thus language is a mirror of mind in a deep and significant sense. It is a product of human intelligence, created a new in each individual by operations that lie far beyond the reach of will or consciousness.

भाषा अध्ययन क्यों? इसके कई उद्देश्य है। किसी एक को प्रमुख कहने से मेरा अभिप्राय अन्य उद्देश्यों की वैधानिकता को नकारना कदाचित नही है। उदाहरण के लिए, भाषा का अध्यपन उसके तत्वों से आकर्षित होकर उसकी व्यवस्था एवं क्रम की जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से किया जा सकता है। इतिहास अथवा व्यक्ति

में उनका उद्‌गम, विचार, विज्ञान – कला या सामान्य सामाजिक सम्प्रेषण में उनका व्यवहार जानना भाषा अध्ययन के उद्देश्य हो सकते है। भाषा अध्ययन का एक उद्देश्य, जो कि कम से कम मेरे अनुसार सर्वाधिक सशक्त कारण है, यह भी है कि भाषा को पारंपरिक कथन के रूप मे 'मानस का दर्पण' माना जाय। ऐसा कहने में मेरा अभिप्राय यह कदाचित नही है कि सामान्य भाषा व्यवहार में व्यक्त प्रत्यय और विकसित विभेद हमें मानव मन द्वारा रचित विचारों की अभिरचना एवं 'सामान्य भाव' के संसार की अंतर्दृष्टि प्रदान करते है। मेरे लिए अधिक कौतुहल तो इस सम्भावना मे है कि भाषा अध्ययन भाषा संरचना एवं प्रयोग के नियामक अमूर्त सिद्धान्तों को उदघाटित कर सकता है, ऐसे सिद्धान्त जो कि किसी ऐतिहासिक घटना के कारण नही अपितु जैविक आवश्यकता के कारण सार्वभौमिक है और मानव जाति की मानसिक विशेषताओं से विकसित हुए है। मानव भाषा विलक्षण जटिलता की व्यवस्था है। किसी ऐसे प्राणी के लिए जिसके लिए भाषा जानना प्रकृतिदत्त नही है, भाषा जानना एक बहुत ही विलक्षण उपलब्धि होगी। कोई भी सामान्य बालक बिना किसी प्रशिक्षण के थोडे से परिचय मात्र से भाषा अर्जित कर लेता है। तदुपरांत वह अनायास ही विशेष नियमों तथा तत्संबंधी सिद्धान्तो की जटिल संरचनाओं का प्रयोग दूसरे तक अपने विचार एवं अनुभूतियों को सम्प्रेषित करने के लिए करता है, जिससे उनमे नए विचार और उदात्त अनुभूति तथा निर्णय उत्पन्न होते है।

बच्चा स्वत: ही न्यूनतम प्रयासो से जिसे रचता है और आत्मसात कर लेता है उसे कर पाना किसी ऐसे चेतन मन के लिए सम्भव नही है जो विशेष रूप से इस कार्य व्यापार के लिए नहीं बना है। इस प्रकार बहुत गूढ़ एवं विशिष्ट अर्थ में भाषा मन का दर्पण है। यह मानव बुद्धि की एक ऐसी देन है जो कि इच्छा एवं चेतना से परे कार्य व्यापार के कारण प्रत्येक व्यक्ति में अलग अलग तरीके से सृजित होती है।

1. What according to Chomsky is the most compelling reason for studying language ?
चाम्सकी के अनुसार भाषा अध्ययन का सर्वाधिक सशक्त विशिष्ट उद्देश्य क्या है ?

2. In what sense does chomsky regard language a mirror of mind.
चामस्की ने भाषा को मानव मन का दर्पण क्यों कहा है?

3. What kind of product does Chomsky regard human language ?
चाम्स्की ने मानव भाषा को किस प्रकार का उत्पाद माना है ?

4. How does the child acquire a language ?
बच्चा भाषा किस प्रकार सीखता है?

5. Is the universality of language ability a historical accident or biological necessity ?
भाषाई क्षमता की सार्वभौमिकता एक ऐतिहासिक घटना है या जैविक आवश्यकता?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) short questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) लघु प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Distinguish between onset, peak and coda.
प्रारंभ, शिखर, अंत में अंतर बताइए ।

7. What is meant by contrast and complementary distribution ?
व्यतिरेक एवं परिपूरक वितरण से क्या तात्पर्य है ?

8. Distinguish between morpheme and allomorph.
रूपिम एवं उपरुप में अंतर बताइए ।

9. Define endocentric construction.
अंत : केंद्रिक रचना की परिभाषा दीजिए।

10. How is a small clause defined against the background of finite and non finite clause.
समापक (finite) तथा असमापक (Non-finite) उपवाक्य के परिप्रेक्ष्य में लघु उपवाक्य (small clause) को परिभाषित कीजिए।

11. What is a pro - drop language ?

अनुसर्व – लोप भाषा (pro - drop language) से क्या अभिप्राय है?

12. Distinguish between sense and reference.

अर्थ (sense) और संदर्भ (reference) में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

13. Distinguish between phonetic change and phonemic change.

स्वनिक परिवर्तन (phonetic change) और स्वनिमिक परिवर्तन (phonemic change) में अन्तर बताइए

14. What is extension of meaning ?

अर्थ-विस्तार से क्या तात्पर्य है ?

15. What is meant by power and solidarity semantics ?
प्रभुसत्ता (Power) और सहिष्णुता (Solidarity) अर्थविज्ञान (Semantics) से क्या तात्पर्य है?

16. Distinguish between language maintenance and language shift.
भाषा अनुरक्षण (Language maintenance) तथा भाषा विस्थापन (Language shift) में अंतर स्पष्ट कीजिए।

17. Enumerate major features of India as a linguistic area.
'भारत एक भाषिक क्षेत्र है' इस कथन के मुख्य लक्षण बताइए।

18. Define cerebral dominance.
प्रमस्तिष्क प्रधानता (Cerebral dominance) क्या है?

19. What is meant by anomia ?
नामन विकार (anomia) से क्या तात्पर्य है?

20. Distinguish between translation and trascreation.
अनुवाद तथा पुनर्सर्जन (Trancreation) में अंतर बताइए।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

21. Explain the function of a finite - state transducer by comparing it with a finite - state acceptor.

फाइनाइट – स्टेट एक्सेप्टर (Finite State Acceptor) से तुलना करते हुए फाइनाइट स्टेट ट्रान्सड्यसर (Finite State transducer) के प्रकार्य की व्याख्या कीजिए ?

22. What does syntactic parsing do in computational linguistics ?

संगणक भाषा विज्ञान (computational linguistics) में वाक्य पद निरूपण (parsing) का क्या प्रयोजन है?

23. Critically examine the merits of HPSG.

एच.पी.एस.जी. (HPSG) की विशेषताओ का आलोचनात्मक निरूपण कीजिए ?

24. Write a note on KIMMO.

किम्मो (KIMMO) पर टिप्पणी लिखिए।

25. What is corpus - building and corpus - processing ?

कोरपस – निर्माण (corpus-building) तथा कोरपस संसाधन (corpus processing) से क्या अभिप्राय है समाझाए ।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

21. Consider the application of the binding theory in the following examples. Compare 1c and 2c.

निचे दिए गए उदाहरणों मे बाइडिंग सिद्धान्त (binding theory) के अनुप्रयोग को लागू कीजिए तथा 1c और 2c में तुलना कीजिए।

1a They $_i$ told [NP stories about each other $_i$]

1b* They $_i$ told [NP my stories about each other $_i$]

1c* They $_i$ told [NP stories about mem $_i$]

2a* They $_i$ heard [stories about each other $_i$]

2b* They $_i$ heard [NP my stories about each other]

2c* They $_i$ heard [NP stories about mem $_i$]

22. Compare the earlier transformational rules with Move Alpha and comment on the development in the generative theory.

प्रारंम्भिक रूपांतरण नियमों की मूव अल्फा (Move Alpha) से तुलना करते हुए प्रजनक सिद्धांत के विकास की चर्चा कीजिए।

23. What do you understand by procrastination ?

विलम्बन (procrastination) से आप क्या समझते है?

24. What do you understand by D-structure and S-structure ? Do they have a place in the minimalist program.

डी.संरचना और एस–संरचना से आप क्या समझते है? क्या मिनिमालिस्ट प्रोग्राम (Minimalist Program) में इनका कोई स्थान है ?

25. Show why principles and parameter theory has an edge over Chomsky's earlier theory on Syntax.

स्पष्ट कीजिए कि प्रिंसिपल और पैरामीटर सिद्धान्त (Principal and Parameter Theory) चामस्की के वाक्य विन्यास संबंधी पूर्ववर्ती सिद्धान्त से अधिक व्यापक और उपादेय है ।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

21. Does prosodic phonology reject the notion of the phoneme altogether ?

क्या गुण स्वनिमविज्ञान (Prosodic Phonology) की संकल्पना को बिल्कुल नकारता है ?

22. Does sentence prosody occur over the whole of a spoken sentence ?

क्या वाक्य स्वनगुण (sentence prosody) उच्चरित संपूर्ण वाक्य पर घटित होता है ?

23. Do features constitute a hierarchically organised set attested in a natural language ?

क्या लक्षण अधिक्रमिक रूप से संघटित ऐसा समुच्च्य बनाते है जो प्रकृत भाषा में होता है ।

24. Why does non - derivational phonology offer a strategy to drop the notion of derivation from the characterisation of the surface form of words ?

अव्युत्पादी स्वनिम विज्ञान (non - derivational phonology) शब्दों के सतही बाह्य रुप का आकलन करने के लिए व्युत्पत्ति संकल्पना के त्याग की युक्तियों को क्यों अपनाता है ?

25. Are constraints ranked on a language - particular basis, forming a constraint hierarchy ?

क्या बाध्यता अधिक्रम (constraint hierarchy) बनाते हुए बाध्यताएँ भाषा विशेष के आधार पर श्रेणीकृत होती है ।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

21. Examine the relations between power politics of language and minority language communities in India.

प्रभुसत्ता राजनीति की भाषा और अल्पसंख्यक समुदायो की भाषा के संबंधों का निरूपण कीजिए।

22. 'Though often confused, speech repertoire and verbal repertoire are two distinct concepts'. Discuss.

प्राय : संभ्रमित, वाक् कोष एवं भाषिक दोष दो भिन्न संकल्पनाएं है। चर्चा कीजिए।

23. Which categories and concepts are used in discourse analysis ?

प्रोक्ति विश्लेषण में कौन – सी कोटियो एवं संकल्पनाओं का प्रयोग होता है?

24. 'One can see the male domination even in language'. Discuss the statement from a feminist point of view.

'भाषा में पुरुष प्रधानता दिखाई देती है।' महिलावादी दृष्टिकोण से इस कथन का विवेचन कीजिए ।

25. In what way is the study of sound change in socio - linguistics different from that of Historical Linguistics ?

समाज भाषा – विज्ञान का अध्ययन ऐतिहासिक भाषा विज्ञान में ध्वनि परिवर्तन के अध्ययन से किस प्रकार भिन्न है ?

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

21. Discuss how the basic question to be answered by neurolinguistics is "How is the brain organised for language" ?

विवेचन कीजिए कि किस प्रकार स्नायुतंत्रिका भाषाविज्ञान जिस मूल प्रश्न का उत्तर खोजता है वह है : ''मस्तिष्क किस प्रकार भाषा के लिए व्यवस्थित है?''

22. Explain how aphasia is an impairment of Language function due to localised cerebral damage which leads to difficulty in understanding and/or producing linguistic forms.

व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार वाचाघात (aphasia) भाषा प्रकार्य को ऐसा दोष है जो कि स्थानीय मस्तिष्कीय क्षति के कारण होता है जिससे कि भाषिक रूपों की बोधगम्यता और उत्पादन में कठिनाई होती है ।

23. Does normal language have any significance for evaluation of language disorders ?

क्या भाषा विकारों के मूल्यांकन में सामान्य भाषा का कोई महत्व है ?

24. Examine how stuttering is an acquired disorder.

निरूपण कीजिए की हकलाना एक अर्जित विकार है ?

25. Show how there is both need and scope of intervention in language disorders.

स्पष्ट कीजिए कि किस प्रकार भाषा विकारों के मंदर्भ में हस्तक्षेप (intervention) की आवश्यकता और उपादेयता दोनो है ।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. **(40x1=40 marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का दीर्घ निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Present your views regarding morphological recognizers, analyzers and generators for an Indian language that you know.

रूपिमिक संज्ञानक (Morpholosical recosnizer) विश्लेषक (analyzers) एवं प्रजनक (generators) पर किसी भारतीय भाषा के संदर्भ में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

OR / अथवा

Trace the development, modification and refinement in the notions 'simplicity', 'adequacy' and 'explanation' in Chomskyan linguistics from 'Syntactic Structures' to 'Minimalist Program'.

सिंटेक्टिक स्ट्रक्चर्स (Syntactic Structures) से मिनिमिलिस्ट प्रोग्राम (Minimalist Program) तक चाम्सकीकृत भाषा विज्ञान में सरलता (Simplicity) पर्याप्तता (adequacy) और व्याख्या (explanation) की संकल्पनाओं में हुए विकास, संशोधन और सुधार का आकलन कीजिए ।

OR / अथवा

Discuss how power and solidarity are reflected in discourse.

विवेचन कीजिए कि प्रभुसत्ता (Power) एवं सहिष्णुता (solidarity) प्रोक्ति में किस प्रकार प्रतिलक्षित होती है ।

OR / अथवा

Discuss how prosodic phonology operate with the notions of system and structure.

व्यवस्था एवं संरचना की संकल्पनाओं का गुण स्वनिमिक विज्ञान किस प्रकार संपादन करता है । चर्चा कीजिए

OR / अथवा

What is meant by classical categories of aphasia ? Why are they not adequate ?

वाचाघात की शास्त्रीय कोटियों से क्या अभिप्राय है ? वे क्यों पर्याप्त नही है ?

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....